वर्ष–2, अंक 7, जुलाई 2019

राज भवन

संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

विशेष आकर्षण

- राज्यपाल ने 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' समारोह का उद्घाटन किया
- उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे में छात्रहित सर्वोपरि है–राज्यपाल
- राजभवन में भारत के छः ख्यातिप्राप्त संगीत–कलाकार सम्मानित हुए

योग पूरी दुनियाँ को भारत का अमूल्य उपहार है

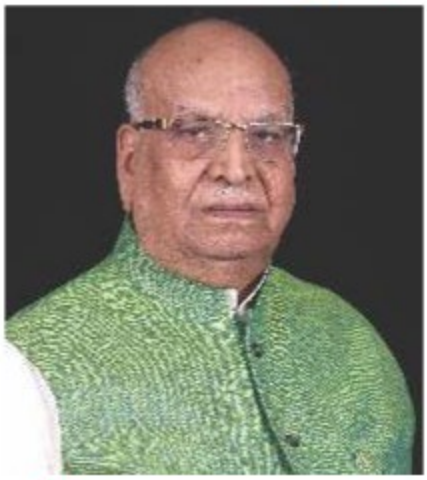

''भारत अपनी विपुल ज्ञान–सम्पदा, कला और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण ही 'विश्वगुरू' कहलाता था। भारत की योग–विद्या पहले भी पूरे विश्व में काफी सम्मान के साथ देखी जाती थी, किन्तु आज इसका पुनरूत्थान हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' में अपने एक संबोधन के दौरान किए गये प्रस्ताव के आलोक में 'योग' को मात्र 90 दिनों के भीतर अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल गई और प्रत्येक वर्ष 21 जून को वर्ष 2015 से 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पूरी दुनियाँ में मनाया जाने लगा।

योग पूरी दुनियाँ को भारत का अमूल्य उपहार है। यह मन और मस्तिष्क की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सुन्दर सामंजस्य एवं समन्वय का भी प्रतीक है। शरीर के स्वास्थ्य–संवर्द्धन के साथ–साथ यह आत्म–संयम, आत्मानुशासन और वैचारिक संतुलन बनाये रखने का भी एक प्रमुख माध्यम है।

पश्चिमी देशों की एक पूरी पीढ़ी जो 'हिप्पी जेनेरेशन' के नाम से जानी जाती थी, जब भौतिकतावाद, तनाव एवं नशे आदि की चपेट में आकर बर्बाद होने लगी, तब भारत की योग–विद्या ने ही उन्हें बचाया। आज स्थिति यह है कि विश्व के 177 से भी अधिक देश योग को अंगीकार कर अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की न केवल रक्षा कर रहे हैं; बल्कि तनावमुक्त और सुखी सम्पन्न जीवन–बसर की भी उन्हें सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

'योग' का अर्थ होता है–'जोड़ना'। वस्तुतः 'योग' मन, मस्तिष्क, शरीर एवं आत्मा इन सबको एक दूसरे से जोड़ते हुए मनुष्य को स्वयं खुशहाल रहने एवं एक स्वस्थ और सम्पन्न समाज विकसित करने का सुअवसर प्रदान करनेवाला एक अत्यन्त सशक्त माध्यम है। 'योग' वस्तुतः कुशल जीवन–यापन की अद्भुत शैली है जो सभी धर्मानुयायियों एवं मतावलंबियों के बीच लोकप्रिय है।

'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाने का वास्तविक उद्देश्य विभिन्न जाति, भाषा, धर्म एवं पृष्ठभूमि के लोगों के बीच भेदभाव को खत्म कर, उन्हें एक मंच पर लाकर 'विश्व शांति' कायम करना है। 'योग' की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित करना, 'योग' से होने वाले फायदों के बारे में बताना तथा लोगों को प्रकृति से जोड़ना आदि 'योग दिवस' के मुख्य उद्देश्य हैं।

आज पूरी दुनियाँ में भैतिकतावाद और प्राकृतिक विभीषिका से भी मानव–समुदाय त्रस्त हो रहा है। ऐसी परिस्थिति से हमें उबारने में 'योग' अत्यन्त सहायक है। आज 'योग' को जन–जन तक पहुँचाने की जरूरत है।

'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह' को पटना में संबोधित करते हुए राज्यपाल–21जून 2019

नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो रही है। सभी विश्वविद्यालयों ने अपने–अपने अकादमिक एवं परीक्षा–कैलेण्डरों को लगभग तैयार कर लिया होगा– आवश्यकता है, छात्र–हित में इसे सभी विश्वविद्यालय शीघ्र प्रकाशित कर दें।

नये सत्र में भी 'बायोमैट्रिक उपस्थिति' दर्ज करने की व्यवस्था और अधिक कारगर रूप से कार्यान्वित होनी है। इसमें लापरवाही बरतने वाले शिक्षक या शिक्षकेत्तर कर्मी अपने विरूद्ध कार्रवाई को स्वतः आमंत्रित करेंगे। 'क्लासरूम' टीचिंग का कोई बेहतर विकल्प हो ही नहीं सकता। 'बायोमैट्रिक हाजिरी' की व्यवस्था विश्वविद्यालय शिक्षा–व्यवस्था का अब अभिन्न अंग बन चुकी है, यह बात सभी पक्षों को अब सहज रूप से स्वीकार लेनी चाहिए। महामहिम राज्यपाल ने साफतौर पर कह दिया है कि छात्रहितों से खिलवाड़ करने वालों को अपने पदों पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

इस बार की बरसात में सभी विश्वविद्यालय–परिसरों और कॉलेज–कैम्पसों में विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाते हुए हमें 'वन महोत्सव' का कार्यक्रम आयोजित करना है। 'हर परिसर–हरा परिसर' का प्यारा नारा अब हमारा जीवन–मंत्र बन गया है। प्रकृति–वैज्ञानिकों ने पर्यावरण को लेकर अपनी चिंताओं का इजहार किया है, हम अगर नहीं सँभले तो हमारा अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। जरूरत है, समय रहते हम चेत जाएँ। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय हरित आवरण बढ़ाने हेतु जन–जागरण अभियान चलाने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। वन एवं पर्यावरण की जिला एवं प्रमंडलीय इकाइयाँ सहयोग को तत्पर हैं। उनसे समन्वय बनाकर हम अपने एक महत्तर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व को पूरा कर सकते हैं।

हमें लगता है, सभी विश्वविद्यालयों /महाविद्यालयों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के '150वें जयंती वर्ष' को अत्यन्त सार्थक एवं बहुआयामी रूप से आयोजित करने के लिए अभी से तैयारियाँ शुरू कर देनी चाहिए। सांस्कृतिक प्रतियोगिता–'तरंग' और 'क्रीड़ा–प्रतियोगिता' –'एकलव्य' के बारे में नये छात्रों के बीच आवश्यक प्रचार कर नयी प्रतिभाओं की खोज के प्रयासों को मूर्त्त रूप देना हमारी प्राथमिकताओं में शुमार होना चाहिए।

'नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति' का प्रारूप केन्द्र सरकार ने जारी करते हुए इसपर सुझावों को आमंत्रित किया है। विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों द्वारा तथा व्यक्तिगत रूप से भी स्थानीय जरूरतों के हिसाबन स्वतंत्र एवं सार्थक विचारों से नीति–निर्धारकों को अवगत कराया जाना श्रेयस्कर होगा।

शुभकामनाओं सहित,

विवेक

(विवेक कुमार सिंह)
राज्यपाल के प्रधान सचिव

वर्ष-2, अंक-7, जुलाई 2019
प्रधान सम्पादक
विवेक कुमार सिंह

कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

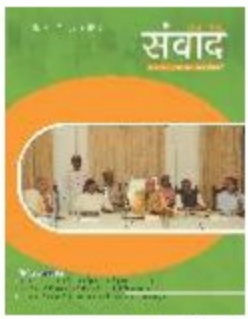

इस अंक में

- राज्यपाल ने 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' समारोह का उद्घाटन किया
- राजभवन में भी 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ
- उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे में छात्रहित सर्वोपरि है–राज्यपाल
- भारत के नवनिर्माण में युवा सकारात्मक भूमिका निभायें–राज्यपाल
- राज्यपाल ने बिहार मंत्रिपरिषद् के आठ नये मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई
- राजभवन में भारत के छः ख्यातिप्राप्त संगीत–कलाकार सम्मानित हुए
- राजभवन में 'प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध–संस्थान, वैशाली' की अधिष्ठात्री परिषद् की बैठक आयोजित हुई
- सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित किया गया
- राज्यपाल से भारतीय वन सेवा एवं बिहार वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की
- विश्वविद्यालय परिसर
- विविधा
- शिष्टाचार

राज्यपाल ने 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' समारोह का उद्घाटन किया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल– 21 जून 2019

''योग मन और मस्तिष्क की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सुन्दर सामंजस्य एवं समन्वय का भी प्रतीक है।'' –उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने पाटलिपुत्र खेल परिसर पटना में राज्य के स्वास्थ्य विभाग एवं कला–संस्कृति व युवा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'पाँचवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह का दीप–प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार योग विद्यालय, मुंगेर विश्व–समुदाय को बिहार की अनूठी देन हैं। उन्होंने विश्व में 'योग' को लोकप्रिय बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार ने कहा कि नयी पीढ़ी को योग को उत्साहपूर्वक अपनाना चाहिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग समाज के हर तबके के लोगों तक 'योग' को पहुँचाने हेतु प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री श्री प्रमोद कुमार ने किया। कार्यक्रम में राज्य के कई माननीय मंत्रिगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधिगण, जन प्रतिनिधिगण सहित हजारों की संख्या में योगाभ्यासी मौजूद थे।

कार्यक्रम में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के योग–प्रशिक्षक स्वामी ब्रह्मचित्त जी द्वारा विभिन्न प्रकार के आसन, ध्यान, प्राणायाम आदि के अभ्यास कराये गए। कार्यक्रम में 'योग' का संकल्प भी दिलाया गया।

राजभवन में भी 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन के राजेन्द्र मंडप में 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर योगाभ्यासियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास रहता है। 'योग' मन, मस्तिष्क, आत्मा –सबको शांति, अनुशासन, संयम और संकल्प की प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि 'योग' सबको जोड़ने का काम करता है। मनुष्य के मन, मस्तिक, हृदय सबको परिशुद्ध करता हुआ 'योग' शरीर को भी स्वस्थ और निरोग रखता है। राज्यपाल ने कहा कि पाश्चात्य जगत् को 'भौतिकतावाद' के प्रकोप से बचाने एवं उन्हें तनावमुक्त रखते हुए विश्वशांति की ओर उन्मुख बनाने में योग की बहुत बड़ी भूमिका है।

राज्यपाल ने कहा कि योग विश्व–समुदाय को भारत की अनुपम देन है। उन्होंने कहा कि योग की ओर आज पूरी दुनियाँ का ध्यान फिर से आकर्षित करने में माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अनुपम योगदान है। राज्यपाल ने कहा कि भारत पुनः 'जगदगुरू' बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज भारत की ज्ञान–परम्परा और सांस्कृतिक वैभव का पुनरूत्थान हो रहा है।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि राजभवन में 'योग विद्या' का प्रशिक्षण समय–समय पर बराबर दिया जाता रहेगा। इससे कर्मियों की कार्यक्षमता का भी विकास होगा एवं उनकी निर्णय–क्षमता भी बढ़ेगी।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव (शिक्षा)– सह–राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन के साथ–साथ राजभवन के सभी वरीय अधिकारीगण, राजभवन के अधीन कार्यरत संस्थाओं के पदाधिकारीगण, स्थानीय विश्वविद्यालयों के कुछ पदाधिकारी एवं प्राध्यापकगण आदि भी उपस्थित थे।

समारोह में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निदेशानुरूप, विभिन्न आसनों, ध्यान एवं प्राणायाम–विधि का प्रशिक्षण बिहार योग विद्यालय, मुंगेर के योग–अनुदेशक संन्यासी धर्म विजय एवं संन्यासी राजमणि द्वारा सभी योगाभ्यासियों को प्रदान किया गया।

'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर राजभवन में योगाभ्यास कार्यक्रम में राज्यपाल– 21 जून 2019

उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे में छात्रहित सर्वोपरि है–राज्यपाल

'कुलपतियों की बैठक' को संबोधित करते हुए राज्यपाल– 13जून 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन की अध्यक्षता में राजभवन में कुलपतियों की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें राज्य के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, माननीय शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा, अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, श्री आमिर सुबहानी, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग–सह–राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन, विज्ञान एवं प्रावैधिकी तथा वित्त विभाग के सचिव श्री राहुल सिंह सहित सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षा विभाग, वित्त विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन के दौरान राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री टंडन ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु संसाधनों की कोई कमी नहीं है, स्पष्ट नीति तैयार हो चुकी है तथा सतत् अनुश्रवण हो रहा है –ऐसे में आवश्यकता है कि विकास की प्रक्रिया को और अधिक तेज किया जाये। राज्यपाल ने कहा कि नये भारत का निर्माण हो रहा है। बिहार की उच्च शिक्षा में हो रहे सुधार को पूरे देश में गंभीरता से देखा–परखा और स्वीकारा जा रहा है, अतः आवश्यक है कि कुलपतिगण नवनिर्माण की इस प्रक्रिया में स्वयं भी यशस्वी बनकर उभरें और बिहार के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करें।

राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास में हमारा सर्वोच्च लक्ष्य हमारे छात्र हैं। कुलपति, शिक्षक, सरकार, राजभवन –सभी छात्रों के भविष्य–सुधार के लिए ही प्रयासरत हैं। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे में सर्वोपरि छात्रहित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक उपस्थिति, उनका समय पर नामांकन, नियमित वर्ग–संचालन, उनके लिए उपयोगी, ज्ञानवर्द्धक और आधुनिक जरूरतों के अनुरूप रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम का निर्धारण, समय पर परीक्षा–आयोजन, ससमय परीक्षाफल प्रकाशन, दीक्षान्त समारोहों के जरिये डिग्री–वितरण, ऑनलाईन प्रमाण–पत्र वितरण आदि सुनिश्चित करना विश्वविद्यालयों का प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि 'परीक्षा–कैलेण्डर' का अनुपालन हर हालत में सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि कई सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में दिग्भ्रमित होकर नामांकन ले चुके छात्रों के भविष्य को बचाने हेतु हमने क्रांतिकारी निर्णय लिया है। इसके फलस्वरूप लाखों छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो चुका है। उन्होंने कहा कि सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में नामांकन ले चुके विद्यार्थियों का व्यापक हित ध्यान में रखते हुए उन्हें निकटवर्त्ती अंगीभूत या सम्बद्ध कॉलेज में पुनर्नामांकित कराने की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे छात्रों के अध्ययन के लिए संबंधित महाविद्यालयों में अतिरिक्त पालियों में अध्यापन–कार्य किए जाने के निदेश दिए गये हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से लाखों छात्रों का भविष्य सँवर जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि 'मुझे यह स्थिति स्वीकार नहीं कि महाविद्यालयों में सीटें खाली रहें और छात्र सड़कों पर भटकते नजर आयें। उन्होंने अत्यन्त दृढ़ निश्चय के साथ कहा कि सुधार की इस प्रक्रिया को अंजाम तक पहुँचाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट करते हुए कहा कि जो विकास की इस प्रक्रिया और गति के साथ अपने को नहीं जोड़ पायेंगे, उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है। जिन्होंने आशाओं के अनुरूप रिजल्ट नहीं दिया, उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा। राज्यपाल ने उम्मीद जाहिर की कि वर्तमान सभी कुलपति अपनी जिम्मेवारी समझेंगे और विकास–प्रयासों को और अधिक तेज करने में अग्रणी भूमिका निभाएँगे।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि व्यवस्था को शीर्षासन कराने की छूट किसी को भी नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय–परिसरों और छात्रावासों में अनशासन हर हालत में बहाल रहना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राज्य का

विश्वविद्यालय–प्रशासन, गृह विभाग और जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि छात्रावासों में अवैध कब्जे नहीं रहें, परीक्षाएँ शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त हों, विश्वविद्यालयों की परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रहें।

राज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों को समय पर वेतन मिले और सेवांत लाभों का ससमय भुगतान हो। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयीय गतिविधियों में भ्रष्टाचार और अनियमितता बिल्कुल ही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

राज्यपाल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में UMIS (University Management Information System) का कार्यान्वयन एवं 'नैक प्रत्ययन' हर हालत में सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने उपलब्ध कराई गई राशि से प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालयों को आधुनिकीकृत किए जाने का भी निदेश दिया। राज्यपाल ने केन्द्रीय एजेन्सियों एवं राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गए आबंटनों से संबंधित उपयोगिता प्रमाण–पत्र ससमय भेजे जाने की भी हिदायत दी।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय –परिसरों में 'क्लीन कैम्पस, ग्रीन कैम्पस' कार्यक्रम के तहत आगामी बरसात में 'वन महोत्सव' सभी विश्वविद्यालयों में एक साथ आयोजित करते हुए लाखों की संख्या में वृक्षारोपण होना चाहिए। श्री टंडन ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' (21 जून) के अवसर पर भव्य एवं उपयोगी कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि 'एकलव्य' एवं 'तरंग' प्रतियोगिताओं के लिए भी तत्परतापूर्वक तैयारी होनी चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि छात्रावासों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराते हुए विश्वविद्यालयों में शिक्षा के अनुकूल वातावरण बहाल कराने के प्रति राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

श्री मोदी ने छात्र संघों के चुनाव के लिए कैलेण्डर तैयार कर इसे ससमय सम्पन्न कराने का अनुरोध किया। श्री मोदी ने कहा कि लगभग 3500 शिक्षकों की बी॰पी॰एस॰सी॰ से बहाली हो चुकी है और लगभग 8000 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति विश्वविद्यालय राज्य सेवा आयोग के जरिये जून 2020 के पूर्व कर ली जायेगी। उन्होंने स्मार्ट क्लासेज चलाने, विश्वविद्यालयों में 'जेम' (GeM) के जरिये खरीददारी करने, विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन बनाये रखने तथा किसी भी स्थिति में राशि–विचलन नहीं करने, शहरी एवं देहाती क्षेत्रों में आवश्यकतानुरूप शिक्षकों की समरूप पदस्थापना करने, विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग विंग को मजबूत करने तथा आई॰टी॰ ऑफिसरों की नियुक्ति करने जैसे कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

बैठक में बोलते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि महामहिम राज्यपाल के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा के विकास हेतु हरसंभव कदम उठाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी के नेतृत्व में अन्य क्षेत्रों की भाँति शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक सुधार हो रहे हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग श्री आमिर सुबहानी ने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय–परिसरों में विधि–व्यवस्था बहाल रखने में विश्वविद्यालयों को भरपूर सहयोग प्रदान करेगी और इसके लिए सभी जिलाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक पुनः निदेशित किए जायेंगे।

कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन ने कहा कि सभी कुलपतियों को विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की संख्या शीघ्र शिक्षा विभाग को संसूचित कर देनी चाहिए ताकि छात्राओं के शिक्षण–शुल्क की प्रतिपूर्त्ति राशि विश्वविद्यालयों को भेजी जा सके। उन्होंने सभी अंगीभूत एवं सम्बद्धताप्राप्त विश्वविद्यालयों की सूची विश्वविद्यालयों के वेबसाईट पर भी डालने का निदेश दिया ताकि छात्र नामांकन के क्रम में दिग्भ्रमित नहीं हों। श्री महाजन ने आगामी 30 जून तक विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की रिक्ति को शिक्षा विभाग को सूचित करने का भी निदेश दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल के परामर्शी (उच्च शिक्षा) प्रो॰ आर॰सी॰ सोबती ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए।

वित्त विभाग के सचिव श्री राहुल सिंह ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन बनाये रखने हेतु विश्वविद्यालय–प्रशासन को वित्त विभाग आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान कर सकता है।

बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने–अपने विश्वविद्यालयों की उपलब्धियों एवं आवश्यकताओं पर आधारित 10–10 मिनट का 'पावर प्रेजेन्टेशन' भी दिया। प्रधान सचिव ने इन सभी का विश्लेषण करते हुए आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया।

'कुलपतियों की बैठक' महामहिम राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री एवं अधिकारीगण– 13जुन 2019

भारत के नवनिर्माण में युवा सकारात्मक भूमिका निभायें–राज्यपाल

'अनुग्रह जयन्ती–सह–कॉलेज स्थापना दिवस' समारोह में बोलते हुए राज्यपाल– 18 जून 2019

''नये भारत का पुनरूत्थान हो रहा है। प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों पर गौरवान्वित होते हुए युवा विद्यार्थियों को अपने मजबूत इरादों, कठोर परिश्रम और प्रखर प्रतिभा के बल पर राष्ट्र के नव–निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।'' –उक्त उद्‌गार महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय अनुग्रह नारायण कॉलेज, पटना के '63वें स्थापना दिवस–सह–बिहार विभूति स्व॰ अनुग्रह नारायण सिंह की 132वीं जयंती' के अवसर पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

समारोह में महामहिम राज्यपाल ने कहा कि बिहार का इतिहास अत्यन्त वैभवपूर्ण रहा है। पूरी दुनियाँ को ज्ञान का आलोक प्रदान करने में बिहार की विभूतियों का अन्यतम योगदान रहा है। श्री टंडन ने महान अर्थशास्त्री कौटिल्य, विश्वविख्यात गणितज्ञ आर्यभट्ट एवं 'सर्जरी का जनक' माने जानेवाले महर्षि सुश्रुत का नामोल्लेख करते हुए कहा कि बिहार के समृद्ध इतिहास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्राचीन नालन्दा और विक्रमशिला जैसे विश्वविख्यात विश्वविद्यालय पूरी दुनियाँ में एक मिशाल रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि 'श्रुति' और 'स्मृति' भारतीय वाङ्मय के विकास का महत्वपूर्ण माहध्यम रही है। वेदों के ज्ञान को भी ऋषियों ने सुनकर और स्मरण के बल पर ही युगों–युगों तक संरक्षित–सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि गुरू–शिष्य–परम्परा भारतीय संस्कृति की एक अनूठी विशेषता रही है; जिससे छात्रों में चरित्र–विकास में मदद मिली है तथा शिक्षक–छात्र–संबंधों में भी मधुरता और समन्वय विकसित हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के आन्दोलन के दौरान भी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और उनके अनुयायियों ने शिक्षा को काफी महत्व दिया था। राज्यपाल ने कहा कि गाँधी जी शिक्षा को स्वतंत्रता से किसी मायने में कम नहीं मानते थे। श्री टंडन ने कहा कि गाँधी के अनुयायी पं. मदन मोहन मालवीय एवं अन्य सभी स्वतंत्रता–सेनानियों ने भी शिक्षा को समाज और देश के विकास का महत्वपूर्ण तत्व माना।

राज्यपाल ने कहा कि कि आज भारत का पुनरूत्थान हो रहा है। नये भारत का जन्म हो रहा है। ऐसे में सबसे अपेक्षा है कि विकास के दौर में सभी अपने दृढ़ संकल्प और कर्मनिष्ठा की बदौलत इस सृजन–यात्रा में यशभागी बनें।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुशासन, चरित्र–बल और मर्यादा का बहुत अधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि विगत दिनों ''कुलपतियों की बैठक' में छात्रावासों से अवैध कब्जों को हटाने के लिए स्पष्ट निर्णय लिया गया है, जिसके अनुपालन से नये आनेवाले छात्रों की हित–रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को हर हालत में अपनी संस्था की मर्यादा की रक्षा करते हुए अपने उत्कृष्ट चरित्र और आदर्शों का परिचय देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को अपने शिक्षण संस्थान को मंदिर सा पवित्र–स्थल मानते हुए उसके आदर्शों की हर हालत में रक्षा करनी चाहिए।

राज्यपाल ने 'बिहार विभूति' स्व॰ अनुग्रह बाबू को महान स्वतंत्रता–सेनानी और महात्मा गाँधी का सच्चा अनुयायी बताते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि अनुग्रह बाबू के महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व के अनुरूप महाविद्यालय की प्रगति सुनिश्चित होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय इतिहास के सृजन के इस दौर में देश के युवाओं को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में भी उच्च शिक्षा के विकास हेतु दृढ़ निश्चय और तत्परता से प्रयास हो रहे हैं। संसाधनों की कोई कमी नहीं है, स्पष्ट नीति निर्धारित हो चुकी है और सारे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कालावधि तय कर दी गई है।

कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल ने स्व॰ अनुग्रह बाबू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। उन्होंने महाविद्यालय पत्रिका– 'अनुग्रह–ज्योति' का लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवन–निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी ने कहा कि देश की 65 प्रतिशत आबादी वाले युवाओं को शोध और कौशल–उन्नयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ गुलाबचंद राम जायसवाल ने कहा कि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को अंतर विश्वविद्यालयीय 'तरंग' प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व प्रदान कर कुलाधिपति ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उसपर यह नया विश्वविद्यालय खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र–समस्याओं के निदान के लिए सदैव तत्पर रहा है।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण करते हुए प्राचार्य प्रो॰ एस॰पी॰ शाही ने महाविद्यालय की उपलब्धियों का सविस्तार उल्लेख किया। धन्यवाद–ज्ञापन प्रो॰ पूर्णिमा शेखर सिंह ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की पत्रिका 'अनुग्रह–ज्योति' की संपादक डॉ॰ रत्ना अमृत भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का सुसंचालन प्रो॰ कलानाथ मिश्र ने किया।

'स्थापना दिवस समारोह' का दीप जलाकर उद्‌घाटन करते हुए राज्यपाल– 18 जून 2019

राज्यपाल ने बिहार मंत्रिपरिषद् के लिए आठ नये मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

राजभवन में शपथ ग्रहण करते हुए मंत्रीगण– 2 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन के दरबार हॉल में 2 जून, 2019 को बिहार मंत्रिपरिषद् के लिए 8 (आठ) नये मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ–ग्रहण–समारोह राजभवन के दरबार हॉल में पूर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित किया गया। बिहार राज्य के मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में श्री नरेन्द्र नारायण यादव, स॰वि॰स॰, श्री श्याम रजक, स॰वि॰स॰, श्री अशोक चौधरी, स॰वि॰प॰, श्रीमती बीमा भारती, स॰वि॰स॰, श्री संजय कुमार झा, स॰वि॰प॰ (निर्वाचित), श्री रामसेवक सिंह, स॰वि॰स॰, श्री नीरज कुमार, स॰वि॰प॰ एवं श्री लक्ष्मेश्वर राय, स॰वि॰स॰ को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

शपथ–ग्रहण–समारोह में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री मो॰ हारून रशीद, बिहार के कई मंत्रिगण, विधायकगण, अन्य जन–प्रतिनिधिगण, विभिन्न आयोगों, समितियों, निकायों के अध्यक्ष, सदस्यगण, विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, नेता–कार्यकर्त्तागण, राज्य सरकार के वरीय अधिकारीगण, गणमान्य अतिथिगण आदि भी उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल ने माननीय मुख्यमंत्री, बिहार की सलाह पर नये मंत्रियों के बीच विभागों को भी आबंटित करने का आदेश प्रदान कर दिया है। पुराने मंत्रियों के भी विभागों में कुछ परिवर्तन हुए हैं। संबंधित मंत्रियों एवं आबंटित विभागों की सूची इस प्रकार है– 1. श्री जय कुमार सिंह –विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, 2. श्री महेश्वर हजारी –योजना एव विकास विभाग, 3. श्री प्रमोद कुमार –कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, 4. श्री बिनोद कुमार सिंह –पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, 5. श्री कृष्ण कुमार ऋषि –पर्यटन विभाग, 6. श्री ब्रज किशोर बिन्द –खान एवं भूतत्व विभाग, 7. श्री नरेन्द्र नारायण यादव –लघु जल संसाधन विभाग तथा विधि विभाग, 8. श्री श्याम रजक –उद्योग विभाग, 9. श्री अशोक चौधरी –भवन निर्माण विभाग 10. श्रीमती बीमा भारती –गन्ना उद्योग विभाग, 11. श्री संजय कुमार झा –जल संसाधन विभाग, 12. श्री रामसेवक सिंह –समाज कल्याण विभाग, 13. श्री नीरज कुमार –सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग एवं 14. श्री लक्ष्मेश्वर राय –आपदा प्रबंधन विभाग।

इनके अतिरिक्त माननीय मुख्यमंत्री की सलाह पर महामहिम राज्यपाल द्वारा श्री प्रेम कुमार, माननीय मंत्री, कृषि विभाग को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी आबंटित किया गया है।

राजभवन में शपथ ग्रहण करते हुए मंत्रीगण– 2 जून 2019

राजभवन में भारत के छः ख्यातिप्राप्त संगीत–कलाकार सम्मानित हुए

सम्मानित संगीत–कलाकारों के साथ राज्यपाल– 16जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भारत के छः संगीत–कलाकारों को सम्मानित किया।

सम्मानित कलाकारों में पद्मभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट (वीणा–वादक) पंडित अनिंदो चटर्जी (तबला–वादक) पंडित सलिल भट्ट (वीणा–वादक) पं॰ अनुव्रत चटर्जी (तबला–वादक) मुराद अली खान (सारंगी–वादक) एवं श्री अभिषेक मिश्रा (तबला–वादक) शामिल थे, जिन्हें मधुबनी चित्रकला से सुसज्जित अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न प्रदान करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने सम्मानित किया।

सम्मान–समारोह को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत की परम्परा अत्यन्त गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संगीत के अनुकरण में भारत में भी कोलाहलपूर्ण संगीत फिल्मों में आने लगा, जिससे भारतीय संगीत–परम्परा को क्षति पहुँची। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत–परम्परा में प्रकृति के अनुरूप विभिन्न रागों का सृजन हुआ है, जो अत्यन्त मर्मस्पर्शी हैं। उन्होंने कहा कि तानसेन की सांगीतिक विरासत सँभालने वाले भारतीयों में आज शास्त्रीय संगीत के प्रति अभिरूचि जगाना बेहद जरूरी हो गया है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन गुरू–शिष्य–परम्परा का पालन करते हुए तथा विभिन्न संगीत–घरानों की विशिष्टता बहाल रखते हुए नयी पीढ़ी को शास्त्रीय संगीत के प्रति अभिप्रेरित करना आज के संगीत–कलाकारों के लिए भी चुनौती भरा दायित्व हो गया है।

राज्यपाल ने कहा कि आज के संगीत में स्वर–राग–भाव एवं वाद्य–यंत्रों के सुन्दर प्रयोग की जगह उबाऊ और कर्णकटु–कोलाहलपूर्ण वाद्य–ध्वनियों का संयोजन रहता है, जो भारतीय परम्परा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि प्राचीन युग में कलाकारों और संगीतज्ञों को राज्याश्रय प्राप्त था, परन्तु इधर कद्रदानी में कमी आई है। आज आवश्यकता है कि हम कलाकारों को भरपूर सम्मान दें एवं उनकी प्रतिभा की सराहना करें। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत–परम्परा से जुड़े ख्यातिप्राप्त कलाकारों को सम्मानित करने का निर्णय नयी पीढ़ी के कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया है, ताकि वे भी भारतीय संगीत–परम्परा की ओर कदम बढ़ाकर इसे समृद्ध बनायें।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में भी ध्रुपद गायन एवं ठुमरी गायन की अत्यन्त समृद्ध परम्परा रही है। दरभंगा, बेतिया एवं डुमराँव घराने का ध्रुपद–गायन तथा गया घराने की ठुमरी काफी चर्चित रही है। पं॰ रामचतुर मल्लिक, पं॰ छितिपाल मल्लिक, बच्चू मल्लिक, धानारंग जी, पं॰ जयराम तिवारी, पं॰ राम गोविन्द पाठक, पं॰ ओंकारनाथ ठाकुर, भारतरत्न शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ, पद्मश्री गजेन्द्रनारायण सिंह आदि अनगिनत संगीतज्ञों ने शास्त्रीय संगीत की परम्परा को समृद्ध करते हुए देश में बिहार का नाम रोशन किया है।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन उच्च शिक्षा के विकास के साथ–साथ कला, संस्कृति, साहित्य, दर्शन आदि क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मानित करते हुए सामाजिक सरोकार के क्षेत्रों में भी अपनी सक्रियता समय–समय पर प्रकट करता रहेगा; ताकि जन–मानस इससे प्रेरित और प्रोत्साहित होता रहे।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन एवं अपर सचिव श्री विजय कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में दूरदर्शन (दिल्ली) के उप निदेशक श्री राजीव सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। दूरदर्शन पटना के अधिकारी श्री राजकुमार नाहर ने स्वागत–भाषण तथा श्री एस॰आर॰एफ॰ यूसूफ ने धन्यवाद–ज्ञापन किया। मंच–संचालन श्रीमती सोमा चक्रवर्ती ने किया। कार्यक्रम में दूरदर्शन (पटना) के अधिकारी श्री विजय कुमार एवं श्री वेद प्रकाश भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन के अधिकारियों को भी स्मृति–चिह्न दिये गये।

प्रख्यात वीणावादक पं. विश्वमोहन भट्ट को सम्मानित करते हुए राज्यपाल– 16जून 2019

राजभवन में 'प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध-संस्थान, वैशाली' की अधिष्ठात्री परिषद् की बैठक आयोजित हुई

प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली की अधिष्ठात्री परिषद् की बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल– 28 जून2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन की अध्यक्षता में राजभवन सभाकक्ष में प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली की अधिष्ठात्री परिषद् की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अपर मुख्य सचिव (शिक्षा विभाग) श्री आर॰के॰ महाजन, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, बी॰आर॰ए॰बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्रतिकुलपति डॉ॰ आर॰के॰ मंडल, जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर श्री आलोक रंजन घोष, जिला पदाधिकारी, वैशाली श्री राजीव रौशन सहित वित्त, शिक्षा, वन–पर्यावरण विभाग तथा राज्यपाल सचिवालय आदि के वरीय अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि संपूर्ण जैन साहित्य तथा प्राकृत, पालि, संस्कृत आदि भाषाओं में संकलित जैन धर्म–दर्शन की महत्वपूर्ण ज्ञान–संपदा को संचित किया जाना बेहद जरूरी है।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि जैन–साहित्य सत्य, अहिंसा, करूणा, प्रेम आदि का संदेश देने के साथ–साथ प्रकृति के साथ मनुष्य की अंतरंगता को महत्वपूर्ण मानते हुए पर्यावरण–संतुलन कायम रखने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने कहा कि 'जैन दर्शन और साहित्य की पर्यावरण–चेतना' विषय पर गंभीरता से शोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संतुलन पूरी दुनियाँ के लिए चिन्ता का विषय बना हुआ है। ऐसे समय में भगवान महावीर एवं जैन साहित्य के संदेश मनुष्य में पर्यावरण–चेतना विकसित करने की दृष्टि से परम प्रेरणादायी सिद्ध होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि जैन समाज एवं जैन साधक–संत वैशाली में भगवान महावीर की स्मृति में संचालित 'प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान' के सर्वतोन्मुखी विकास के लिए काफी बढ़–चढ़कर सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस संस्थान का विकास केवल सरकारी सहयोग पर ही निर्भर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैन–समाज के समृद्ध तथा भगवान महावीर में अटूट आस्था रखनेवाले कई श्रद्धालु इस संस्थान के सुदृढ़ीकरण हेतु अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, बशर्ते उन्हें लगे कि यह संस्थान अपनी जीवंतता और सक्रियता से जैन साहित्य और उसके संदेशों को जन–जन तक पहुँचाने में अपनी तत्परता दिखा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि आवश्यकता है कि संस्थान अपने पूरे एक वर्ष का 'कैलेण्डर ऑफ इवेंट्स' तैयार करे और उसमें जैन धर्म और साहित्य से जुड़े संतों, विद्वानों और श्रद्धालुओं को आमंत्रित करे। ऐसे अवसरों का उपयोग संस्थान के विकास की रूपरेखा तैयार करने के लिए भी हो सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि आगामी बरसात के मौसम में संस्थान में वन विभाग से समन्वय बनाकर काफी संख्या में वृक्षारोपण करते हुए 'वन महोत्सव' का आयोजन होना चाहिए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री आर॰के॰ महाजन ने कहा कि संस्थान की घेराबंदी के लिए चारदीवारी निर्माण हेतु संस्थान को शीघ्र ही राशि आबंटित कर दी जाएगी तथा संस्थान के पुस्तकालय के सुदृढ़ीकरण के लिए भी शीघ्र 10 ए॰सी॰ उपकरण लगवाने के लिए भी निधि आबंटित हो जाएगी।

बैठक में यह निर्णय हुआ कि संस्थान एवं उसके निकटवर्त्ती क्षेत्र में 5000 वृक्षारोपण कराये जाएँगे तथा पौधों के संरक्षणादि के लिए 'मनरेगा' आदि योजनाओं के तहत प्रयास किए जाएँगे।

बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि संस्थान के पुस्तकालय की दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु विशेष व्यवस्था होगी तथा महत्वपूर्ण पुस्तकों के डिजिटीकरण का काम पूरा कराया जाएगा। संस्थान की रिक्तियों को भरने के लिए बिहार लोक सेवा आयोग एवं बिहार कर्मचारी चयन आयोग को अधियाचना भेजे जाने का भी निर्णय लिया गया।

महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने संस्थान में वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या मात्र 04 (चार) होने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया एवं कहा कि संस्थान में पढ़ाये जानेवाले विषयों के प्रति छात्रों में अभिरूचि जगाना जरूरी है तथा पाठ्यक्रम को रोजगारोन्मुखी किया जाना भी आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि स्नातकोत्तर, स्नातक एवं शोध–छात्रों में रूचि जगाकर संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों को विकसित किया जाना चाहिए तथा इसे 'Centre of Excellence' के रूप में विकसित करने हेतु 'ब्लू प्रिंट' बनना चाहिए।

राज्यपाल ने तिरहुत के प्रमंडलीय आयुक्त को संस्थान का सतत अनुश्रवण करते रहने को कहा तथा निदेश दिया कि बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय एवं कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ समन्वय बनाकर संस्थान के लिए उपयोगी और आधुनिक पाठ्यक्रम तैयार होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जैन धर्म–दर्शन के महत्वपूर्ण स्थल के रूप में वैशाली एवं अन्य संबंधित स्थलों का तुलनात्मक अध्ययन होना चाहिए ताकि आमजन वैशाली की महत्ता के बारे में सविस्तार अवगत हो सकें।

बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, तिरहुत के प्रमंडलीय आयुक्त श्री नर्मदेश्वर लाल, प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली के निदेशक–सह–सदस्य सचिव श्री ऋषभचन्द्र जैन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद–ज्ञापन राज्यपाल के अपर सचिव श्री विजय कुमार ने किया।

सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित किया गया

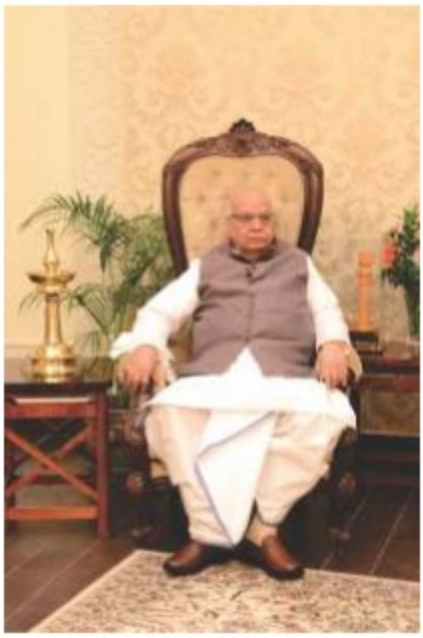

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन के निदेशानुरूप राज्य सरकार ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा एवं बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के अधीन वैसे विद्यार्थी, जिन्होंने राज्य में सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में नामांकन कराकर अपनी शिक्षा शुरू कर दी है, उनके भविष्य पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कुछ ठोस निर्णय लिया है एवं इस संदर्भ में संबंधित कुलपतियों को 03 जून को ही परिपत्र भेज दिये गये हैं। सम्बद्धताविहीन महाविद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों के व्यापक हित में यह निर्णय लिया गया है कि उनके शैक्षणिक सत्र की शेष अवधि के लिए सर्वप्रथम निकटस्थ अंगीभूत महाविद्यालयों में उनके नामांकन एवं अध्ययन की सुविधा प्रदान की जाये। निकटस्थ अंगीभूत महाविद्यालय (Constituent Colleges) में नामांकन नहीं हो पाने की स्थिति में उन विद्यार्थियों का राज्य सरकार से सम्बद्धता–प्राप्त निकट के महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र की शेष अवधि के लिए नामांकन कराते हुए अध्ययन की सुविधा प्रदान की जायेगी। अंगीभूत एवं सम्बद्धता–प्राप्त महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना एवं अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार दो पालियों में अध्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी। वैसे विद्यार्थी जिनके शैक्षणिक सत्र का अध्यापन पूर्ण हो चुका है, का पंजीयन कराने, परीक्षा–प्रपत्र प्राप्त करने और भरने तथा परीक्षा में सम्मिलित कराने के लिए संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा संगत आदेश या निदेश में यथाआवश्यक संशोधन कर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। राज्य सरकार द्वार सम्बद्धता–प्राप्त महाविद्यालयों में अथवा अंगीभूत महाविद्यालयों में पुनर्नामांकन के क्रम में नामांकन शुल्क राज्य सरकार द्वारा देय होगा, परन्तु छात्रों को शिक्षण एवं परीक्षा–शुल्क स्वयं वहन करना होगा। इस निर्णय से राज्य के लाखों विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। छात्रों के भविष्य और व्यापक हित में लिया गया यह निर्णय भविष्य के लिए पूर्वोदाहरण नहीं माना जायेगा। महामहिम राज्यपाल ने यह पूरी तरह सुनिश्चित करने का निदेश दिया है कि भविष्य में सम्बद्धताविहीन महाविद्यालय किसी भी तरह विद्यार्थियों को दिग्भ्रमित कर अपने यहाँ नामांकन नहीं ले पायें। सभी कुलपति अपने विश्वविद्यालय के वेबसाइटों पर अपने अंगीभूत एवं संबद्धता–प्राप्त महाविद्यालयों एवं वहाँ पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रमों के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रकाशित कराना सुनिश्चित करेंगे।

राज्यपाल से भारतीय वन सेवा एवं बिहार वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से भारतीय वन सेवा के 03 एवं बिहार वन सेवा के 09 अधिकारियों ने पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में राजभवन पहुँचकर मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन भी उपस्थित थे।

इस मुलाकात के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने वन सेवा के अधिकारियों से कहा कि भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण अध्यायों की जानकारी रहने पर ही आप आत्माभिमानपूर्वक अपने राष्ट्र की सेवा को सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को समाज की अंतिम कतार में खड़े गरीब अभिवंचित वर्ग के लोगों के प्रति अवश्य संवेदनशील होना चाहिए। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि वही देश या समाज प्रगति करते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकता है, जिसे अपने अतीत पर गौरव–बोध हो। राज्यपाल ने कहा कि अधिकारियों को समकालीन चुनौतियों को गंभीरता से लेते हुए अपनी सत्यनिष्ठा और उत्कृष्ट दायित्व–बोध का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा, अनुशासन, सच्चरित्रता और ईमानदारी को आम जनता बड़े सम्मान के साथ देखती है। राज्यपाल ने कहा कि अधिकारियों को जन–प्रतिनिधियों से मर्यादानुरूप व्यवहार करते हुए उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही अधिकारी लोकप्रिय होते हैं जो व्यापक देश और समाज हित में निर्णय लेते हैं तथा बिना दबाव या लोभ के सही रास्ते पर आगे बढ़ते हैं।

राज्यपाल ने विभिन्न सरकारी सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती हुई भागीदारी को देश और समाज के लिए सुखद संकेत बताया और उम्मीद जाहिर की कि वन–सेवा में भी आई हुई महिला पदाधिकारीगण बेहतर रूप में कर्त्तव्य–पालन करते हुए अच्छा रिजल्ट देंगी। अधिकारियों ने राज्यपाल के साथ अपने प्रशिक्षण के अनुभव साझा किये।

भारतीय वन सेवा एवं बिहार वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ राज्यपाल– 21 जून 2019

विश्वविद्यालय परिसर

पटना विश्वविद्यालय, पटना

जनपलायन की चुनौतियों पर व्याख्यान

23 मई, 2019 को पटना सायंस कॉलेज के ज्योलॉजिकल सोसाइटी एवं भूगर्भशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''डिजाइन, तकनीक तथा इनोवेशन के उपयोग से भारतीय शहरों की चुनौतियों के उपाय'' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्याता नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID) अहमदाबाद के वरिष्ठ शिक्षक श्री मिहिर भोले ने शहरीकरण के योजनाबद्ध तरीके से विकसित न होने पर चिंता जताते हुए इसकी चुनौतियों से तकनीकी तथा डिजाइन द्वारा निबटने की आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि शहरों की ओर जल–पलायन रोकने के लिए गाँवों का विकास आवश्यक है।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में 'पर्यावरण दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यान/कार्यशाला का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में 4 जून, 2019 को एक व्याख्यान/कार्यशाला का आयोजन एवं विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया है। इस कार्यशाला में श्री पंकज कुमार, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ–सह–Member of State task force on Human Health and Climate Change, पटना द्वारा व्याख्यान दिया गया। उक्त व्याख्यान/कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय डॉ. (प्रो.) अरूण कुमार अग्रवाल, प्रतिकुलपति प्रो. एस.एम. करीम, कुलसचिव ई. राजीव रंजन, उप कुलसचिव डॉ. कुमारी अंजना, प्रो. राकेश कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, ए.सी.एन.एन., वित्त पदाधिकारी श्री सुशील कुमार चौधरी, सहायक कुलसचिव डॉ. दीपंकर श्री ज्ञान कई कर्मियों, शिक्षक तथा शोधार्थी उपस्थित थे।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

पी–एच. डी. कोर्स वर्क का प्रेरणा–सत्र आयोजित

''सभी भारतीय देशज वैज्ञानिक हैं। शोध के लिए शिक्षक शोध का विषय नहीं दें,

बल्कि छात्रों को खुद प्रकृति एवं वातावरण से विषय चुनना चाहिए।'' –विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार पी–एच. डी. कोर्स वर्क कर रहे छात्रों के प्रेरण–सत्र का उद्घाटन करते हुए 24 मई को कुलाधिपति के शिक्षा सलाहकार पद्मश्री प्रो. रणवीर चन्द्र सोबती ने ये बातें कही। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने कहा कि सूचना एवं ज्ञान तब तक पूर्ण नहीं होगा, जबतक उसके साथ प्रज्ञता नहीं हो। कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन कुलसचिव कर्नल निशीथ कुमार राय ने एवं संचालन सी.सी.डी.सी. प्रो. मुनेश्वर यादव ने किया।

मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय

विश्व योग दिवस का आयोजन

मौलान मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय, पटना में विश्व योग दिवस का आयोजन 21 जून, 2019 को विश्वविद्यालय मुख्यालय में किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. (डॉ.) खालिद मिर्जा, प्रति कुलपति, कुलसचिव, वित्त पदाधिकारी, सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी आदि ने भाग लिया।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में किया गया वृक्षारोपण

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत, बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना, संजय गाँधी गव्य प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना और मात्स्यिकी महाविद्यालय, किशनगंज में 'विश्व–पर्यावरण दिवस' के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर संजय गाँधी गव्य प्रौद्योगिकी संस्थान में अतिथि के तौर पर प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय संस्थान की धर्म बहनों के साथ निदेशक अनुसंधान डॉ. रवीन्द्र कुमार, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. ए.के. ठाकुर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. बिपिन कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

विविधा

कविताएँ राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना विकसित करती हैं–राज्यपाल

"साहित्य समाज का दर्पण होता है और वह समाज का बराबर पथ–प्रदर्शन भी करता रहता है। कविताएँ समाज में उत्साह और प्रेरणा जगाती हैं, सामाजिक समरसता विकसित करती हैं जिससे राष्ट्रीय एकता और सद्भावना सुदृढ़ होती है। कवि सामाजिक चेतना विकसित करते हुए राष्ट्र–प्रेम की भावना नागरिकों में जगाते हैं।" –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने 'दैनिक जागरण' अखबार समूह द्वारा स्थानीय एस.के. मेमोरियल हॉल में पहली जून, 2019 को आयोजित 'अखिल भारतीय कवि सम्मेलन' का दीप–प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

कवि सम्मेलन का संचालन सुप्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास ने किया। इसमें लब्धप्रतिष्ठ कविगण डॉ. सुरेश अवस्थी, श्री दिनेश बावरा, आशीष अनल, तेजनारायण, हाशिम फिरोजाबादी, शबीना अदीब आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया, जिसे श्रेताओं ने खूब सराहा। इस अवसर पर दैनिक जागरण समूह के मुख्य महाप्रबंधक श्री आनंद त्रिपाठी, संपादक श्री भारतीय वसंत कुमार सहित अन्य कई गणमान्य जन, अतिथिगण, वरीय पत्रकारगण आदि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल राजभवन में बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण अवलोकन कर सकेंगे

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन बिहार विधान मंडल के 28 जून, 2019 से प्रारंभ होनेवाले मानसून सत्र के दौरान विधानमंडल के दोनों सदनों –बिहार विधान सभा एवं बिहार विधान परिषद् की कार्यवाही का सीधा प्रसारण राजभवन स्थित अपने कार्यालय–कक्ष में अब अवलोकन कर सकेंगे। ज्ञातव्य है कि राज्यपाल पहले विधानमंडल की कार्यवाही का सिर्फ ऑडियों प्रसारण ही श्रवण कर पा रहे थे। अब नई व्यवस्था के अंतर्गत महामहिम राज्यपाल दोनों सदनों की कार्यवाही को सीधे एक साथ पृथक–पृथक दो टेलीविजन सेटों पर अवलोकन कर सकेंगे।

राज्यपाल केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य मंत्री श्री रामविलास पासवान द्वारा आयोजित 'दावत–ए–इफ्तार' में शामिल हुए

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य मंत्री श्री रामविलास पासवान द्वारा पटना में 3 जून को आयोजित 'दावत–ए–इफ्तार' में शामिल हुए।

'रमजान' के पवित्र मौके पर आयोजित 'दावत–ए–इफ्तार' में शामिल महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने देश–प्रदेश की तरक्की, अमन–चैन और खुशहाली के लिए दुआ माँगी तथा समाज में प्रेम और भाईचारा की कामना की।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य मंत्री श्री रामविलास पासवान, राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के कार्यवाहक सभापति मो. हारून रशीद, पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद श्री रामकृपाल यादव, सांसद श्री चिराग पासवान सहित कई मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विभिन्न दलों के नेतागण, सामाजिक–राजनीतिक कार्यकर्त्तागण, गणमान्य जन आदि उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल ने श्री जैनेन्द्र नारायण पाण्डेय की पुस्तक ''धुंध से निकली राहें'' को लोकार्पित किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में साहित्यकार श्री जैनेन्द्र नारायण पाण्डेय की पुस्तक –''धुंध से निकली राहें'' को 29 जून को लोकार्पित किया।

पुस्तक को लोकार्पित करने के बाद लेखक श्री पाण्डेय को बधाई देते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि 'आत्मकथा' लिखना एक अत्यन्त कठिन कार्य होता है, जिसमें लेखक को निष्पक्षतापूर्वक आत्म–मूल्यांकन करते हुए सच्चाई का दामन बराबर थामे रहना पड़ता है। राज्यपाल ने कहा कि आत्मकथा का लेखन प्रायः महान व्यक्तियों या महान रचनाकारों द्वारा ही हुआ है, किन्तु आम व्यक्ति भी अपने जीवन–संघर्षों की कथा लिख सकता है।

इस अवसर पर लेखक श्री पाण्डेय ने कहा कि उनके जीवन का संघर्ष और उसकी बदौलत प्राप्त सफलता ही इस पुस्तक का प्रतिपाद्य है। इस अवसर पर अन्य कई विद्वद्जन एवं बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने राजभवन में परिभ्रमण हेतु गोल्फ कॉर्ट वाहन का उद्घाटन किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में खरीदी गई गोल्फ कॉर्ट वाहन का 17 जून को उद्घाटन करते हुए इस पर बैठकर राजभवन का परिभ्रमण किया।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल श्री टंडन बराबर पर्यावरण–संतुलन बनाये रखते हुए 'क्लीन कैम्पस–ग्रीन कैम्पस' की अवधारणा के प्रति सबको प्रेरित करते रहते हैं। उसी संदर्भ में वायु–प्रदूषण से यथासंभव बचने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से राजभवन में राज्यपाल ने 'गोल्फ कॉर्ट' की खरीदारी कराई है। 'हर परिसर–हरा परिसर' के अभियान को मूर्त्त रूप देने तथा वायु–प्रदूषण से बचने हेतु जन–चेतना विकसित करने की दृष्टि से इस पहल को अत्यन्त सार्थक माना जा रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों की बचत करते हुए पर्यावरण–संतुलन बनाये रखने का प्रयास भी राज्यपाल की इस सोच में समाहित है।

शिष्टाचार

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से प्रधानमंत्री निवास (7, लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली) में शिष्टाचार मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने लगातार दूसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनने पर माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। पटना, 12 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली स्थित गृहमंत्री के कार्यालय में माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से भी शिष्टाचार मुलाकात की तथा उन्हें नई सरकार में गृहमंत्री का पद ग्रहण करने पर बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी।

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की – 1 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री राम लाल ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के समय राष्ट्रीय महामंत्री के साथ बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री नागेन्द्र जी भी थे। पटना 22 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से आज राजभवन में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही ने शिष्टाचार मुलाकात की। पटना, 15 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से 02 जून, 2019 को राजभवन में सुप्रसिद्ध हिन्दी कवि श्री कुमार विश्वास ने शिष्टाचार मुलाकात की– पटना, 2 जून 2019

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

पी० वेंकटसुब्बैया

(15 मार्च 1985 – 25 फरवरी, 1988)

ये लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे तथा केन्द्रीय गृह एवं संसदीय मामलों के भी राज्य मंत्री रहे। 1988 से 1990 ई० तक ये कर्नाटक के भी राज्यपाल थे।

***

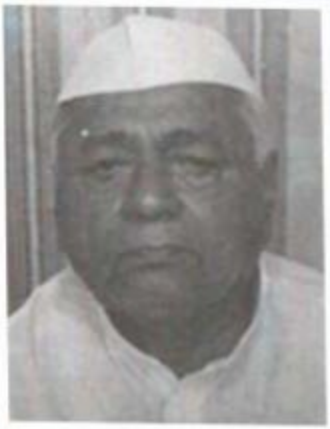

गोबिन्द नारायण सिंह

(26 फरवरी, 1988 – 24 जून, 1989)

ये रामपुर–बघेलन विधान सभा क्षेत्र से 1951 ई० में विधायक रहे। बाद में ये 1957 एवं 1962 ई. में मध्यप्रदेश विधान सभा के लिए भी निर्वाचित हुए। एक नये राजनीतिक दल का गठन करने के बाद ये मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री 30 जुलाई, 1967 से 12 मार्च, 1969 तक रहे।

***

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085
laserpatna@gmail.com